APRIL 2018 TO MARCH 2019

NEWS PAPER COVERAGE 2018-19

देखा खेतों का हाल

कृषि वैज्ञानिकों द्वारा गन्ना फसल की निगरानी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

कवर्धा. कृषि विज्ञान केन्द्र कवर्धा के वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख डॉ. बीपी त्रिपाठी ने विगत दिनो गन्ना फसल में वर्तमान में फैल रहे रोग (व्हीप स्मट) चाबुक, कन्डवा बीमारी के समन्वित रोकथाम के उपाय बताए।

जिले में लगभग 50 हजार एकड़ में गन्ने की खेती की जा रही है और कबीरधाम जिले के किसानों के लिए गन्ना एक प्रमुख नगदी फसल है। लेकिन गन्ने में पिछले वर्ष से गन्ने का व्हीप स्मट बीमारी के लक्षण अप्रेल-मई माह में ज्यादा देखने को मिल रहे हैं।

निरीक्षण... कृषि विज्ञानिकों ने निरीक्षण में देखा गन्ना उत्पादन।

इसका मुख्य कारण लगातार तापक्रम में वृद्धि को मना जा सकता है। डॉ. बीपी त्रिपाठी ने बताया कि इस बीमारी के प्रमुख लक्षण गन्ने के शीर्ष हिस्से में पत्ती की जगह एक काली रंग की डंडी (घोड़े के चाबुक) के आकार की बन जाती है और पत्ती का पूरा हिस्सा काला स्पोर्स (चूर्ण) से भरा रहता है। यह बीमारी ज्यादातर रेटून क्राप (पेड़ी) फसल में ज्यादा आता है।

समन्वित प्रबंधन के बताए उपाय

लक्षण मिलते ही किसानों को समन्वित प्रबंधन के उपाय अपनाने चाहिए। सर्वप्रथम गन्ने के खेत में उपरोक्त लक्षण दिखने पर रोग ग्रसित पत्ती जो पूरी काली हो गई उसको निकाल दे क्योंकि शुरूआती दौर में 5 से 10 पौधों मे ही ये लक्षण देखने को मिलता है और जैसे -जैसे हवा और पानी के माध्यम से यह बिमारी बहुत तेजी से पूरे खेत में फैलने लगती है। इस बीमारी स्पोर्स (चूर्ण) हवा में बहुत तेजी से फैलते है। यह बीमारी तापक्रम 38-40 के ऊपर होने पर यह महामारी के रूप में फैलती है।

जैविक खेती को बढावा देने दिया जोर

भ्रमण

- कुलपति द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र का किया भ्रमण

■ नवभारत कार्यालय। कवर्धा.

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति डॉ. एस. के. पाटील बुधवार को कबीरधाम जिले के दौरे पर रहे. कुलपति ने कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा में समन्वित कृषि प्रणाली के विभिन्न घटक जैसे मछली सह बतख पालन, कड़कनाथ पालन, मशरूम उत्पादन, उन्नत गौ पालन इकाई का अवलोकन किया.

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा प्रक्षेत्र में क्राप कैफेटेरिया में गेहूं की 8 किस्म, चने की 6 किस्म, अलसी की 4 किस्म, मटर एवं मूंग की 2-2 किस्म, सरसों एवं उड़द को 1-1 किस्मों का अवलोकन किया. कुलपति ने जैविक खेती को बढ़ावा देने एवं कृषि विज्ञान केन्द्र प्रक्षेत्र में 5 एकड़ जमीन चिन्हांकित कर जैविक खेती करने तथा प्रक्षेत्र में लगभग 1 एकड़ में सब्जी की खेती का प्रदर्शन लगाने हेतु निर्देशित किया. बत्तख पालन को बढ़ावा देने हेतु निर्देशित किया। कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा में ड्रिप में गन्ने की खेती हेतु की जा रही तैयारी का भी जायजा लिया एवं चना, उड़द, गेहूं, मूंग, अरहर एवं तिवड़ा के बीजोत्पादन कार्यक्रम एवं मातृ बगीचा का अवलोकन किया. इस दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका इंदिरा किसान मित्रान का विमोचन कुलपति के द्वारा किया गया. इस अवसर पर डॉ. ए.एल. राठौर, निदेशक विस्तार सेवाएं, इं.गां.कृ.वि., रायपुर, डॉ. आर.के. खाजेपेयी, निदेशक अनुसंधान सेवाएं, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, डॉ. बी.के. त्रिपाठी, सहायक संचालक अनुसंधान, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, डॉ. आर. के. द्विवेदी, अधिष्ठाता, संत कबीर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कवर्धा, डॉ. बी.पी. त्रिपाठी, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे.

मिलेगा लाभ

जैविक खेती के लिए पांच एकड़ जमीन चिह्नांकित

चर्चा... जैविक खेती के लिए किया जमीन का चयन।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

कवर्धा. इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एसके पाटिल 1-4 जनवरी को कबीरधाम के दौरे पर रहे। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र में समन्वित कृषि प्रणाली के विभिन्न घटक जैसे मछली, बत्तख पालन, कड़कनाथ पालन, मशरूम उत्पादन, उन्नत गौ पालन इकाई का अवलोकन किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र प्रक्षेत्र में क्रॉप कैफेटेरिया में गेहूं की 8 किस्म, चने की 6 किस्म, अलसी की 4 किस्म, मटर व मूंग की 2-2 किस्म, सरसों व उड़द की 1-1 किस्मों का अवलोकन किया। इसके अलावा जैविक खेती को बढ़ावा देने व कृषि विज्ञान केन्द्र प्रक्षेत्र में 5 एकड़ जमीन चिन्हांकित कर जैविक खेती करने और प्रक्षेत्र में लगभग 1 एकड़ में सब्जी की खेती का प्रदर्शन लगाने के लिए निर्देशित किया। पत्ती कृषि विज्ञान केन्द्र में ड्रिप में चने की खेती के लिए की जा रही तैयारी का भी जायजा लिया। चना, उड़द, गेहूं, मूंग, अरहर व तिवड़ा के बीजोत्पादन कार्यक्रम व मातृ बगीचा का अवलोकन किया। इस दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका "इंदिरा किसान मित्रान" का विमोचन कुलपति द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. एएल राठौर, डॉ. आरके खाजेपेयी, डॉ. बीके त्रिपाठी, डॉ. आरके द्विवेदी, डॉ. बीपी त्रिपाठी व कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

APRIL 2018 TO MARCH 2019

NEWS PAPER COVERAGE 2018-19

कवर्धा . बेमेतरा दैनिक भास्कर

मशीन का मॉडल तैयार, जो गन्ने को काट कर ट्रॉली में करेगी लोड

भास्कर न्यूज | कवर्धा

कृष्णगोपाल पटेल, छात्र

कवर्धा. गन्ना कटाई की मशीन का मॉडल बनाया गया है।

क्लास में सभी बच्चों से आइडिया मांगा था, दूसरे दिन ड्राइंग लाया

दिल्ली के लिए चयनित

महंगी है ऐसी मशीन

कवर्धा पत्रिका . 12

patrika.com

पत्रिका . कवर्धा . सोमवार . 18.06.2018

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

कवर्धा. कृषि विज्ञान केन्द्र व डीएफआईडी, सीसीआईपी के संयुक्त तत्वाधान में जलवायु अनुकूल कृषि विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जलवायु अनुकूल खेती को बढ़ावा देना है। ताकि जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान से बचा जा सके। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. बीपी त्रिपाठी ने कृषि विज्ञान केन्द्र की प्रमुख गतिविधियों व जलवायु अनुकूल खेती और जलग्रहण का मुख्य उद्देश्य, जिससे किसान खेत का पानी खेत में एकत्रित कर भूजलस्तर को सुरक्षित रखना आदि विषय पर विस्तृत जानकारी दी। वहीं डॉ. जी के दास ने छत्तीसगढ़ के मैदान व उनका स्वरूप/सस्यक्रम विषय पर विस्तृत जानकारी दी। डॉ. आरके द्विवेदी ने जलवायु अनुकूल कृषि तकनीक विषय पर विस्तृत जानकारी दी। डॉ. चंद्रेश चन्द्राकर ने जलवायु अनुकूल समन्वित कृषि प्रणाली का महत्व व डीएफआईडी, सीसीआईपी के सदस्यों द्वारा मनरेगा के माध्यम से अधोसंरचना निर्माण के विषय में विस्तृत जानकारी दी।

कवर्धा हरिभूमि 17

कृषि विज्ञान केन्द्र ने आयोजित किया कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कवर्धा

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा स्वच्छता सेवा अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें रैली के माध्यम से गांवो में किसानो एवं अन्य नागरिको को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। दिनांक 16 सितंबर को आदान विक्रेताओं के माध्यम से ग्राम नेवारी में रैली निकाला गया एवं आंगनबाड़ी एवं गांव की साफ-सफाई किया गया

इसके साथ ही 17 सितंबर 2018 ग्राम सलिहा में संगोष्ठी आयोजित कर एवं शपथ दिलाकर किसानों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया इसी तारतम्य से 15 सितंबर से 02 अक्टूबर तक लगातार प्रत्येक दिन अलग-अलग स्थान पर विभिन्न कार्यक्रम जैसे संगोष्ठी, रैली, परिचर्चा आदि माध्यम से जागरूकता अभियान किया जायेगा जिससे स्वच्छ और स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना योगदान सके।

कवर्धा पत्रिका . 10

किसानों को दी जानकारी

कृषि विज्ञान केन्द्र में कृषक संगोष्ठी का हुआ आयोजन

वितरण... किसानों को बीज का वितरण करते हुए।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

कवर्धा. कृषि विज्ञान में राष्ट्रीय दलहन व तिलहन मिशन योजनांतर्गत खरीफ पूर्व कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल रहे।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. बीपी त्रिपाठी ने कृषि विज्ञान केन्द्र के गतिविधियों जैसे प्रक्षेत्र परीक्षण, अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन व कृषक प्रशिक्षण की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही किसानों को राष्ट्रीय दलहन व तिलहन मिशन अंतर्गत कबीरधाम जिले की समूह प्रदर्शन की जानकारी दी। वहीं मुख्य अतिथि ने कहा कि जिले में विगत तीन वर्षों में सोयाबीन की उत्पादन में कमी को देखते हुए, किसानों को अच्छे बीज की बुआई करने की सलाह दी। इस वर्ष राष्ट्रीय दलहन व तिलहन मिशन योजनांतर्गत समूह प्रदर्शन फसल अरहर 50 हेक्टेयर, सोयाबीन 40 हेक्टेयर व मूंगफली 10 हेक्टेयर में लिया गया है। जिसका बीज वितरण किया गया। कार्यक्रम में जिले के 100 कृषक व इंजी. टीएस सोनवानी व वैज्ञानिक बीएस परिहार उपस्थित रहे।